बहुआयामी शिक्षण विधियों के माध्यम से भावी शिक्षकों में उद्यमशीलता की मानसिकता का विकास

संगम*
अंजलि शौकीन**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उद्यमिता शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों में 21वीं सदी के कौशलों का विकास करना है, जिसमें नवाचार, समस्या-समाधान और रचनात्मकता सम्मिलित हैं। भारत एवं राज्य सरकारों द्वारा शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रम और पाठ्यक्रम, शिक्षा प्रणाली में व्यावहारिक और अनुभवात्मक शिक्षण विधियों को शामिल करने पर बल देते हैं, जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया के उद्यमिता कौशल सिखाए जा सकें। इन प्रयासों का उद्देश्य एक आत्मनिर्भर और उद्यमशील समाज का निर्माण करना है। इस शोध-पत्र में शोधार्थी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्यमिता शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए बैचलर इन एजुकेशन (बी.एड.) प्रशिक्षु-शिक्षकों के बीच उद्यमशीलता की मानसिकता विकसित करने के लिए तीन अनुभवात्मक गतिविधियाँ (1) सफल भारतीय उद्यमियों की भूमिका निभाना, (2) स्थानीय व्यावसायियों के साथ साक्षात्कार और (3) विद्यार्थी उद्यमियों के साथ साक्षात्कार करना आदि की गयी। इन्हें क्रमश: एपिसोड 1— 'किस्से जो बन गए सबक', एपिसोड 2— 'मेरी कहानी मेरी जुबानी' और एपिसोड 3— 'नन्हे उद्यमी के बड़े सपने' का नाम दिया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षु-शिक्षकों को व्यावहारिक और वास्तविक दुनिया के उद्यमशीलता कौशल सिखाने का प्रयास किया गया। इस शोध अध्ययन में गुणात्मक जानकारियों एवं तथ्यों का विश्लेषण किया गया, जिसमें प्रशिक्षु-शिक्षकों के अनुभवों और सीखने की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया गया। परिणामों से यह ज्ञात हुआ है कि इन गतिविधियों ने प्रशिक्षु-शिक्षकों के ज्ञान में वृद्धि की और उद्यमशीलता मानसिकता को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस शोध अध्ययन के परिणाम विद्यार्थियों, अध्यापकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, शैक्षिक व्यवसायी, शिक्षाविदों, पाठ्यक्रम निर्माताओं और नीति निर्माताओं को भविष्य के शिक्षकों में उद्यमशीलता की सोच को बढ़ावा देने में ऐसी नवीन गतिविधियों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने हेतु मार्गदर्शित करते हैं।

आधुनिक समय में कार्यबल की जटिलताओं के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए शिक्षा में उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा देने के महत्व को एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में तेज़ी से पहचाना जा रहा है। उद्यमशीलता कौशल में रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, पहल,

**शोधार्थी*, विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग, शिक्षा विभाग, गुरु गोबिंद इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 110078
***सह-आचार्य*, गुरू गोबिंद इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 110078

समस्या-समाधान और अनुकूलनशीलता सहित कई प्रकार की दक्षताएँ शामिल हैं, जो न केवल उद्यमिता के लिए महत्वपूर्ण हैं बल्कि विभिन्न व्यवसायों और करियर में भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी वैश्विक अर्थव्यवस्था की उभरती मांगों और विद्यार्थियों में इन कौशलों को विकसित करने की आवश्यकता को पहचाना है। इस नीति का उद्देश्य इन कौशलों को पाठ्यक्रम में एकीकृत करके, विद्यार्थियों को बदलते परिवेश के अनुकूल होने और विभिन्न क्षेत्रों में सार्थक योगदान देने की क्षमता से परिपूर्ण करना है, ताकि सैद्धांतिक ज्ञान से परे व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्रदान करके प्रायोगिक शिक्षा और व्यावहारिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सके। इसी दिशा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत, कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों के लिए 10 दिवसीय बस्तारहित अवधि की अनुशंसा की गई है। इस 10 दिवसीय बस्तारहित के अंतर्गत बच्चों को स्थानीय विशेषज्ञों, जैसे— ऑटो मोबाइल तकनीशियन, ट्रेवेल एवं टूर ऑपरेटर, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स तकनीशियन, बढ़ई एवं अन्य विशेषज्ञों के साथ इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से कौशल शिक्षा में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना और विद्यालय में सीखने के वातावरण को आनंदमय और तनावमुक्त बनाना है। यह गतिविधि न केवल उद्यमशीलता के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में सहायक होगी, बल्कि विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया की स्थितियों का सामना करने और स्थानीय समुदायों से जुड़ने का अवसर भी प्रदान करेगी। इस प्रकार, बस्तारहित अवधि उद्यमिता शिक्षा के लिए एक बुनियादी मंच प्रदान करती है, जो विद्यार्थियों को भविष्य के उद्यमी बनने के लिए तैयार करती है।

अनुभाविक या प्रायोगिक शिक्षा पद्धति सक्रिय भागीदारी तथा व्यक्तिगत चिंतन को भी प्रोत्साहित करती है, समझ बढ़ाती है और ज्ञान को बनाए रखती है। यह दृष्टिकोण न केवल विषयों के साथ गहन जुड़ाव को बढ़ावा देता है बल्कि निर्णय लेने जैसे आवश्यक जीवन कौशल भी विकसित करता है। आज अनुभवात्मक शिक्षा सभी नवाचारी शैक्षणिक पद्धतियों में एक आवश्यक पद्धति बन गई है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उद्यमशीलता कौशल को अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से एकीकृत करना कई कारणों से आवश्यक है। सबसे पहले, यह शिक्षकों को विद्यार्थियों के बीच नवीन सोच और पहल को बढ़ावा देने, उन्हें अवसरों की पहचान करने, जोखिम लेने और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए नवीन समाधान खोजने एवं उत्तम समाधान अपनाने में सक्षम बनाता है। दूसरा, शिक्षक शिक्षा में उद्यमशीलता कौशल को शामिल करने से विद्यार्थियों में उद्यमिता की मानसिकता पैदा करने की शिक्षकों की क्षमता बढ़ती है। विषय ज्ञान प्रदान करने के अलावा, उद्यमशीलता की मानसिकता से परिपूर्ण शिक्षक कक्षा की संस्कृति को विकसित करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होते हैं, जो जिज्ञासा, समस्या-समाधान और सक्रियता को प्रोत्साहित करती है। शिक्षक शिक्षा में उद्यमशीलता के सिद्धांतों को शामिल करके, भविष्य के शिक्षक न केवल शिक्षा के उभरते परिदृश्य के लिए तैयार होते हैं, बल्कि अपने विद्यार्थियों को रचनात्मक रूप से सोचने, पहल करने और आजीवन सीखने वाले बनने के लिए प्रेरित करने के लिए भी सशक्त होते हैं।

गौतम एवं अन्य के द्वारा वर्ष 2015 में किया गया शोध 'उद्यमिता शिक्षा— अवधारणा, विशेषताएँ और शिक्षक शिक्षा के लिए निहितार्थ', में उद्यमी शिक्षक और प्रशिक्षण संस्थान की अवधारणा को स्पष्ट किया गया है और शिक्षक की सक्रिय भूमिका को सहायक के रूप में उजागर किया गया है।

इस नई भूमिका के लिए शिक्षकों को प्रारंभिक शिक्षक प्रशिक्षण और लगातार पेशेवर विकास से गुजरना होगा। भारत में उद्यमिता शिक्षा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए नीति हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता पर भी बल दिया गया है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उद्यमशीलता कौशल को लागू करने का यह दृष्टिकोण न केवल शिक्षकों के पेशेवर विकास को बढ़ाता है बल्कि ऐसे विद्यार्थियों को तैयार करने में भी योगदान देता है जो 21वीं सदी के कार्यबल की चुनौतियों के लिए अच्छी तरह से तैयार हो। शिक्षकों में उद्यमशीलता कौशल पैदा करके, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम अगली पीढ़ी को एक विकसित समाज और अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने के लिए आवश्यक क्षमताओं के साथ सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वर्तमान अध्ययन की आवश्यकता

नेशनल स्किल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.) और विद्यालय शिक्षा की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 (एन.सी.एफ.एस.ई. 2023) द्वारा उद्यमशीलता पर दिए गए सुझावों ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में उद्यमिता शिक्षा के महत्व को उजागर किया है। एन.एस.क्यू.एफ. ने व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उद्यमिता कौशल को विकसित करने और पाठ्यक्रम में समाहित करने पर बल दिया है, ताकि विद्यार्थी व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्राप्त कर सकें। इसके साथ ही, एन.एस.क्यू.एफ. ने उद्यमिता शिक्षा को विद्यालय स्तर पर अनिवार्य बनाने की अनुशंसा की है, जिससे विद्यार्थी उद्यमिता के सिद्धांतों, प्रबंधन कौशल और व्यावसायिक दृष्टिकोणों को सीख सकें। विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 (एन.सी.एफ.एस.ई. 2023) ने रचनात्मकता तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया है। इसके अतिरिक्त, एन.सी.एफ.एस.ई. 2023 ने प्रायोगिक और अनुभवात्मक शिक्षण विधियों को सम्मिलित करने की बात कही है, जिससे विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं का समाधान करने का अवसर मिल सके। बस्तारहित 10 दिवस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, समस्या समाधान कौशल, निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्व और टीम वर्क को विकसित करने पर बल दिया गया है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, यह स्पष्ट है कि शिक्षा प्रणाली को उद्यमिता कौशल विकसित करने के लिए उपयुक्त पाठ्यक्रम और गतिविधियों का समावेश करना चाहिए, ताकि विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों और अवसरों का सामना कर सकें।

प्रशिक्षु-शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, एन.एस.क्यू.एफ. एवं एन.सी.एफ.एस.ई., 2023 की सिफारिशों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि वे शिक्षा के भविष्य को आकार देने में सबसे अग्रणी हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के बीच समग्र विकास, आलोचनात्मक चिंतन और 21वीं सदी के कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी बदलाव पेश करती है।

प्रशिक्षु-शिक्षकों अनुभवात्मक शिक्षण, सहयोगात्मक परियोजनाओं और अंतःविषय दृष्टिकोण जैसे नवीन शिक्षण पद्धतियों को एकीकृत कर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में लागू करने का काम सौंपा गया है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दृष्टिकोण के केंद्र में हैं। वर्तमान शोध अध्ययन में शोधार्थी ने भविष्य के शिक्षकों को अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए भूमिका निभाने वाली और साक्षात्कार गतिविधियों का उपयोग उद्यमिता शिक्षा के संदर्भ में किया है, क्योंकि यह भविष्य के शिक्षकों को स्वयं को और अपने विद्यार्थियों को व्यावहारिक, वास्तविक दुनिया के अनुभवों का अनुकरण करने में सक्षम बनाता है और उन्हें गंभीर रूप से सोचने, निर्णय लेने और प्रभावी ढंग से सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

शोध का उद्देश्य

इस शोध का उद्देश्य प्रशिक्षु-शिक्षकों के बीच भूमिका प्रदर्शन और साक्षात्कार जैसी गतिशील बहुआयामी शैक्षणिक तकनीकों के माध्यम से उद्यमशीलता मानसिकता का निर्माण करना और उद्यमशीलता कौशल एवं दक्षता विकास पर विभिन्न गतिविधियों के प्रभाव की जाँच करना था। इसके लिए प्रशिक्षु-शिक्षकों के अनुभव सर्वेक्षण के माध्यम से जानकारी एकत्रित की गईं हैं, जैसे—

- बी.एड. प्रशिक्षु-शिक्षकों में उद्यमशीलता मानसिकता कौशल और दक्षताओं की समझ के संदर्भ में सफल भारतीय उद्यमियों के संदर्भ में केंद्रित भूमिका निभाने वाली गतिविधियों के प्रभाव का पता लगाना।
- बी.एड. प्रशिक्षु-शिक्षकों में उद्यमशीलता अवधारणाओं की समझ पर स्थानीय उद्यमियों या व्यापारियों के साथ साक्षात्कार आयोजित करने के प्रभाव का पता लगाना।
- बी.एड. प्रशिक्षु-शिक्षकों में उद्यमशीलता अवधारणाओं की समझ पर वास्तविक व्यवसाय चलाने वाले विद्यार्थी उद्यमियों के साथ साक्षात्कार आयोजित करने एवं उसके प्रभाव का पता लगाना।
- भूमिका निर्वाह और साक्षात्कार कार्यक्रम के परिणामों की तुलना कर उद्यमशीलता मानसिकता विकास के लिए अधिक उपयुक्त गतिविधि का पता लगाना।

शोध की प्रविधि

इस शोध अध्ययन की प्रकृति वर्णनात्मक थी, जिसमें गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से संबद्ध एक कॉलेज से वर्ष 2022–23 के बी.एड. कार्यक्रम सेमेस्टर II 'उद्यमशीलता मानसिकता' विषय के 73 प्रशिक्षु-शिक्षक को प्रारंभिक रूप से चयनित किया गया था। इन्होंने तीनों गतिविधियों में सहभागिता की, जबकि प्रशिक्षु अनुभव सर्वेक्षण में केवल 51 प्रशिक्षु-शिक्षकों ने सहभागिता की थी। न्यादर्श का चयन गैर-संभाव्यता न्यादर्श चयन विधि की उद्देश्यपूर्ण तकनीक से किया गया।

शोध की प्रक्रिया

शोधार्थी ने एपिसोड शृंखला में 3 अलग-अलग प्रकार की उद्यमिता शिक्षा गतिविधियों का आयोजन किया। इसमें वर्ष 2022–23 'उद्यमशीलता

मानसिकता' विषय पढ़ने वाले भावी शिक्षकों को समूहों में प्रदर्शन करने के लिए कहा गया था।

गतिविधियों का विवरण

- एपिसोड संख्या 1 — 'किस्से जो बन गए सबक'
- एपिसोड संख्या 2 — 'मेरी कहानी मेरी ज़ुबानी'
- एपिसोड संख्या 3 — 'नन्हे उद्यमी के बड़े सपने'

उपरोक्त तीनों गतिविधियों को शोधार्थी द्वारा डिज़ाइन किया गया और प्रोजेक्ट के रूप में बी.एड. प्रशिक्षु-शिक्षकों द्वारा उनका कार्यान्वयन किया गया।

परिणाम

शोध उद्देश्य 1

बी.एड. प्रशिक्षु-शिक्षकों में उद्यमशीलता से संबंधित मानसिकता कौशल और दक्षताओं की समझ पर सफल भारतीय उद्यमियों पर केंद्रित भूमिका निभाने वाली गतिविधियों के प्रभाव का पता लगाने के लिए एपिसोड 1 — 'किस्से जो बन गए सबक' के अंतर्गत सफल भारतीय पुरुष और महिला उद्यमियों का एक केस (व्यैक्तिक) अध्ययन किया गया।

एपिसोड विवरण— भूमिका निर्वाह (रोल प्ले) में संलग्न होकर, प्रशिक्षु-शिक्षकों ने सैद्धांतिक अवधारणाओं को यथार्थवादी संदर्भ में लागू किया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा परिकल्पित उद्यमशीलता मानसिकता को बढ़ावा दिया। इस एपिसोड में 10 बी.एड. प्रशिक्षु-शिक्षकों के प्रत्येक समूह ने सफल भारतीय पुरुष या महिला उद्यमियों (अमन गुप्ता— बोट, ग़ज़ल अलघ— मामाअर्थ, अनुपम मित्तल— शादी.कॉम, चिनू कला— रूबन एक्सेसरीज़, पीयूष बंसल— लेंसकार्ट, विनीता सिंह— शुगर कॉस्मेटिक्स, फाल्गुनी नायर— नायका) को चयनित किया तथा ऑनलाइन संसाधनों अर्थात साक्षात्कार, विज्ञापन, केस स्टडी के लिए जीवनी के माध्यम से उनकी जीवन यात्रा को समझ कर कैंपस में भूमिका निभाई।

उद्देश्य

इस एपिसोड का उद्देश्य प्रशिक्षुओं में 21वीं सदी के कौशल विकसित करना था, जैसे— वास्तविक जीवन परिदृश्यों का विश्लेषण करके महत्वपूर्ण सोच कौशल, उद्यमशीलता की दुविधाओं को दूर करके समस्या सुलझाने की क्षमता तथा साथियों के साथ सहयोग के माध्यम से संप्रेषण कौशल एवं कक्षा में प्रस्तुति के माध्यम से इनफॉर्मेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी कौशल का विकास करना।

चयन मानदंड— प्रशिक्षु अपनी सुविधा के अनुसार अपना समूह का निर्माण करते हैं और यादृच्छिक रूप से एक सफल भारतीय उद्यमी का चयन करते हैं। उन्होंने अपने रोल प्ले की स्क्रिप्ट लिखी और प्राध्यापकों के साथ चर्चा की। जिसके बाद उन्होंने स्वयं अपनी रुचि, जुड़ाव और सक्रिय रूप से भाग लेने की इच्छा के आधार पर भूमिकाएँ निर्धारित की।

निष्कर्ष

गतिविधि 1 के निष्कर्ष— शोधार्थी द्वारा निष्पादन मूल्यांकन रूब्रिक के विश्लेषण के बाद ज्ञात हुआ कि एपिसोड 1 'किस्से जो बन गए सबक' ने प्रशिक्षुओं के कौशल को बढ़ाने पर सकारात्मक प्रभाव डाला। 68 प्रतिशत प्रशिक्षुओं ने प्रस्तुति के दौरान आत्मविश्वास दिखाया। इसके साथ ही

71 प्रतिशत प्रशिक्षुओं ने स्वीकार किया कि उनके संप्रेषण कौशल में सुधार हुआ है तथा वे प्रस्तुति के दौरान व बाद में सटीक अभिव्यक्ति और आवाज़ मॉड्यूलेशन दिखाते हैं। 91 प्रतिशत प्रशिक्षुओं ने अपनी प्रस्तुति के दौरान पावरपॉइंट प्रस्तुतिकरण (पी.पी.टी.), एनिमेटेड वीडियो, ग्राफिक्स इंटरचेंज फ़ॉर्मेट (जी.आई.एफ.), पोस्टर जैसे आई.सी.टी. टूल का उपयोग किया। प्रशिक्षु-शिक्षकों ने यह भी बताया कि इस गतिविधि से उनकी निर्णय लेने की क्षमता, आलोचनात्मक सोच, उनके नेतृत्व की गुणवत्ता की पहचान, उनके और दूसरों के व्यक्तिगत विकास, पारस्परिक कौशल तथा एक टीम में काम करने की क्षमता का विकास हुआ है। इस एपिसोड के माध्यम से उन्होंने विभिन्न उद्यमशीलता कौशल, जैसे— समस्या समाधान, रचनात्मकता, नवाचार, जोखिम लेना, योजना बनाना, सहयोग आदि के बारे में समझा और सीखा है।

अतः सफल भारतीय उद्यमियों पर केंद्रित भूमिका निभाने वाली गतिविधियाँ बी.एड. प्रशिक्षु-शिक्षकों में उद्यमशीलता मानसिकता कौशल और दक्षताओं की समझ पैदा करने में सफल रहीं।

शोध उद्देश्य 2

बी.एड. प्रशिक्षु-शिक्षकों में उद्यमशीलता अवधारणाओं की समझ पर स्थानीय उद्यमियों या व्यापारियों के साथ साक्षात्कार आयोजित करने का प्रभाव ज्ञात करने के लिए एपिसोड 2 — 'मेरी कहानी मेरी ज़ुबानी' के अंतर्गत स्थानीय व्यवसायियों का साक्षात्कार, लिया गया।

एपिसोड विवरण— स्थानीय व्यावसायियों के साथ साक्षात्कार आयोजित करना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्य शिक्षा को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ने का समर्थन करता है। यह विद्यार्थियों को उद्यमिता से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्रदान करके अनुभवात्मक शिक्षा को प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त, यह सामुदायिक जुड़ाव तथा सहयोग एवं शिक्षा के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है, जो स्थानीय संदर्भों एवं अनुभवों को एकीकृत करता है। इस एपिसोड में प्रशिक्षुओं को अपने स्थानीय क्षेत्र का पता लगाने और एक ऐसे उद्यमी या व्यवसायी का चयन करने का निर्देश दिया गया, जिन्होंने अपना व्यवसाय स्वयं के प्रयासों से शुरू किया और अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत की। प्रशिक्षुओं ने स्थानीय उद्यमियों के वास्तविक दुनिया के अनुभवों के विषय में जानकारी संकलित करने के लिए उनका संरचित साक्षात्कार लिया तथा उनकी उद्यमशीलता क्षमताओं और कौशल के बारे में चर्चा करने के लिए साक्षात्कार का विश्लेषण किया गया।

उद्देश्य

इस एपिसोड के उद्देश्य थे—

- उद्यमशीलता की यात्रा, चुनौतियों और स्थानीय व्यावसायियों द्वारा अपनाई गईं रणनीतियों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना।
- उद्यमशीलता कौशल के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों की समझ विकसित करना, नेटवर्किंग क्षमताओं को बढ़ाना तथा विविध दृष्टिकोण और अनुभवों से परिचित होना।
- प्रशिक्षुओं को स्थानीय समुदाय में उद्यमिता में सक्रिय रूप से लगे लोगों से व्यावहारिक ज्ञान एवं दृष्टिकोण प्रदान करना।

चयन मानदंड— प्रशिक्षुओं ने अपने स्थानीय क्षेत्र में उद्योग तथा शिक्षा के किसी भी क्षेत्र, जैसे— कृषि उद्योग, स्टेशनरी, कोचिंग सेंटर, प्ले विद्यालय, डे केयर, बुटीक, घर सजाने के उत्पाद आदि में काम करने वाले उद्यमी का चयन किया गया। (प्रेरणा सैनी— मकून्स प्ले स्कूल, अश्वनी राणा— पोल्ट्री फार्मिंग, संदीप बघेल— स्वीट्स और स्नैक्स, कसाना स्वीट्स, भजनपुरा, दिल्ली, उषा पाल— ड्रेस डिज़ाइनर, नेहा बुटीक, नोएडा, निर्मल बाग— दुर्गा ज्वेलर्स, चांदनी चौक, सुनील अग्रवाल — माँ नैना देवी ट्रेडर्स, इरशाद मलिक— मसाले और बीज, हिमालया ट्रेडर्स, दिल्ली) इस प्रकार, यह विविधता सुनिश्चित करती है कि प्रशिक्षुओं में विभिन्न क्षेत्रों से गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त होगी और साझा किए जाने वाले अनुभव प्रासंगिक होंगे तथा अन्य हितधारकों के लिए भी उपयोगी होंगे।

डेटा संग्रह उपकरण— स्थानीय व्यावसायियों के साथ साक्षात्कार।

निष्कर्ष

गतिविधि 2 के निष्कर्ष— प्रशिक्षु-शिक्षकों द्वारा स्थानीय व्यावसायियों का साक्षात्कार लेने पर हुए अनुभवों को साझा करने से यह स्पष्ट होता है कि 'मेरी कहानी मेरी ज़ुबानी' एपिसोड ने प्रशिक्षु-शिक्षकों को उद्यमशीलता अवधारणाओं के अनुप्रयोग में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। स्थानीय उद्यमियों के साथ बातचीत से प्रशिक्षुओं की समझ बढ़ी कि व्यावसायिक सेटिंग्स में उद्यमशीलता के लक्षण कैसे प्रकट होते हैं। स्थानीय उद्यमियों ने संचार, अनुकूलनशीलता और लचीलापन जैसे विविध प्रकार के कौशलों का प्रदर्शन किया। इस अंतर्क्रिया की जाँच से प्रशिक्षुओं को हस्तांतरणीय कौशल की पहचान करने का अवसर मिला, जिन्हें शिक्षण विधियों में एकीकृत किया जा सकता था। इससे वे अपने विद्यार्थियों में एक समान कौशल का पोषण करने के लिए तैयार हो सकेंगे। उद्यमिता तथा सामुदायिक संबंध के बीच अंतर्संबंध से उनकी समुदाय में प्रचलित विशिष्ट चुनौतियों और अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ी। यह ज्ञान उन्हें स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी शैक्षिक रणनीतियों को तैयार करने, शिक्षण के लिए अधिक संवेदनशील एवं समुदाय-उन्मुख दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की अनुमति देता है। प्रशिक्षु-शिक्षकों ने यह भी पता लगाया कि जोखिम लेने और नवाचार जैसे उद्यमशीलता सिद्धांतों को शैक्षिक सेटिंग्स में कैसे लागू किया जा सकता है। इस गतिविधि के माध्यम से निरंतर सुधार और रचनात्मकता की मानसिकता को बढ़ावा दिया गया। अतः स्थानीय उद्यमियों पर किए जाने वाले साक्षात्कार ने शिक्षक-प्रशिक्षुओं में उद्यमिता अवधारणा के प्रति गहरी समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शोध उद्देश्य 3

'बी.एड प्रशिक्षु-शिक्षकों में उद्यमशीलता अवधारणाओं की समझ पर वास्तविक व्यवसाय चलाने वाले विद्यालयी विद्यार्थियों पर साक्षात्कार आयोजित करने के प्रभाव का पता लगाना।' के लिए एपिसोड 3— 'नन्हे इंटरप्रेन्योर के बड़े सपने' के अंतर्गत विद्यार्थी उद्यमियों के साथ साक्षात्कार किया गया।

एपिसोड विवरण— इस एपिसोड में प्रशिक्षु-शिक्षकों ने दिल्ली राज्य के विद्यार्थी उद्यमियों से उनके व्यावसायिक विचार, उत्पाद निर्माण प्रक्रिया के बारे में जानने के लिए एक संरचित साक्षात्कार आयोजित किया गया। इसके साथ ही उनके सामने आने वाली चुनौतियाँ और भविष्य के लक्ष्य तथा कक्षा में उनके सीखने के प्रतिफलों पर भी चर्चा की गई।

चयन मानदंड— प्रशिक्षुओं ने दिल्ली राज्य के उन विद्यार्थी उद्यमियों (अनषु— फ़्लिपिंग कैलेंडर, कृष्णा— आर्टिस्टिकविला-पेंटिंग, स्केच और रंगीन किताबें, ऋतिका— कस्टमाइज़्ड प्रोडक्ट्स, कीचेन, मग प्रिंटिंग, केतन— म्यूज़िक सिस्टम, खुशी सिंह— हस्तनिर्मित डायरी कवर, स्नेहा जिंदल— हस्तनिर्मित आभूषण, सुमिक्षा पाल— मेपल-कस्टमाइज़्ड टी-शर्ट) का चयन किया, जो नियमित विद्यालय पढ़ाई के साथ व्यवसाय चलाने में लगे हुए थे, ताकि शैक्षिक अनुभव एवं व्यावसायिक अनुभवों के विभिन्न स्तरों का अध्ययन किया जा सके।

डेटा संग्रह उपकरण— विद्यार्थी उद्यमियों के साथ साक्षात्कार।

निष्कर्ष

गतिविधि 3 के निष्कर्ष— 'नन्हे उद्यमी के बड़े सपने' एपिसोड दिल्ली राज्य के युवा मन के सपनों और आकांक्षाओं पर केंद्रित था। विद्यालयी विद्यार्थियों के साथ किए गए साक्षात्कारों के माध्यम से, प्रशिक्षुओं ने नवाचार, लचीलापन तथा उम्मीदों से जुड़ी कहानियों का पता लगाया। इस साक्षात्कार अनुभव ने युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देने में सरकारी पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इन नवोदित उद्यमियों के साथ जुड़कर प्रशिक्षुओं ने अगली पीढ़ी के सपनों को आकार देने में शिक्षा, मार्गदर्शन और सामुदायिक भागीदारी की शक्ति के बारे में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त की। प्रशिक्षु-शिक्षकों ने विद्यार्थियों की निर्णय लेने, नवीन विचार उत्पन्न करने, अपने उत्पादों या सेवाओं को अलग करने, बाज़ार की माँगों का जवाब देने, जोखिमों का प्रबंधन करने और वास्तविक दुनिया के अनुभवों के आधार पर रणनीतियों को अपनाने की क्षमता का पता लगाया। उन्होंने विद्यार्थियों की अनुकूलन क्षमता और लचीलेपन का भी पता लगाया और यह भी जानने की कोशिश की कि उन्होंने अपना व्यवसाय चलाने में चुनौतियों और अनिश्चितताओं का सामना कैसे किया। अतः व्यवसाय चलाने वाले विद्यालयी विद्यार्थियों पर साक्षात्कार ने प्रशिक्षु-शिक्षकों में उद्यमिता अवधारणा के प्रति गहरी समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शोध उद्देश्य 4

'भूमिका निर्वाह और साक्षात्कार कार्यक्रम के परिणामों की तुलना कर उद्यमशीलता मानसिकता विकास के लिए अधिक उपयुक्त गतिविधि का पता लगाना।'

प्रशिक्षु-शिक्षक सर्वेक्षण प्रश्नावली— प्रश्नावली में कुल 12 प्रश्न थे। जिन्हें यह 3 भागों में विभाजित किया गया था, पहले भाग में जनसांख्यिकी डेटा से संबंधित दो प्रश्न, दूसरे भाग में

असाइनमेंट अनुभव से संबंधित 3 प्रश्न तथा तीसरे भाग में गतिविधियों का उद्यमशीलता दक्षताओं पर प्रभाव, जिनमें 7 प्रश्न थे। यह प्रश्नावली 5 प्वॉइंट लिकर्ट स्केल के आधार पर विकसित की गई थी।

डेटा विश्लेषण— इस शोध में वर्णनात्मक सांख्यिकी का उपयोग सर्वेक्षण से प्राप्त प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने के लिए किया गया था।

प्रशिक्षु-शिक्षकों पर आयोजित अनुभव सर्वेक्षण का निष्कर्ष— यह सर्वेक्षण प्रश्नावली 73 प्रतिभागियों को गूगल फ़ॉर्म के रूप में ऑनलाइन भेजी गई थी, परंतु केवल 51 प्रतिभागियों ने इस पर अपनी प्रतिक्रियाएँ दीं।

गतिविधि अनुभव

'आपके द्वारा उद्यमिता शिक्षा गतिविधियों में सहभागिता करने पर प्राप्त हुए समग्र अनुभव को 1 से 5 तक के पैमाने पर कैसे आँकेंगे? (1 असंतोषजनक, 5 अत्यधिक संतोषजनक)'

उद्यमिता शिक्षा गतिविधियों में सहभागिता करने पर प्राप्त हुए समग्र अनुभव की रेटिंग का आरेख 1 दर्शाता है कि प्रशिक्षु-शिक्षकों को सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए, जिसमें अधिकांश रेटिंग उच्च स्तर पर थीं। 51 प्रतिक्रियाओं में से सबसे अधिक रेटिंग 4 थीं, जो 27 बार दी गई, यह एक मजबूत समग्र संतुष्टि को दर्शाती है। रेटिंग 5, 17 बार दी गई, जो अत्यधिक सकारात्मक अनुभव को दर्शाती है। कुल मिलाकर, औसत रेटिंग लगभग 4.1 थी, जो दर्शाता है कि उद्यमिता शिक्षा गतिविधियों से प्रशिक्षु-शिक्षकों को समग्र अनुभव प्राप्त हुआ।

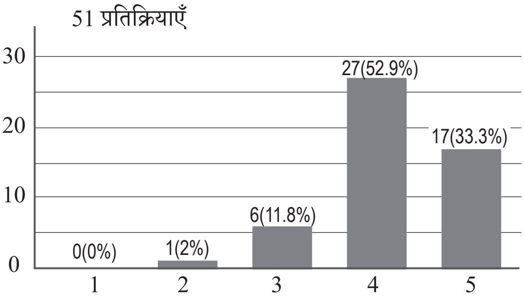

आरेख 1

आपको कौन-सी गतिविधि सबसे अधिक उपयोगी लगी?

आरेख 2 दर्शाता है कि प्रशिक्षु-शिक्षकों में उद्यमशीलता कौशल विकसित करने में भूमिका निभाना और स्थानीय व्यवसायी का साक्षात्कार गतिविधियाँ समान रूप से फायदेमंद थीं, क्योंकि दोनों को 24 बार उपस्थित होने वाले उत्तरदाताओं को चयनित किया गया था। विद्यार्थी साक्षात्कार गतिविधि को केवल तीन प्रशिक्षु-शिक्षकों द्वारा चुना गया। इन परिणामों से ज्ञात होता है कि प्रशिक्षु-शिक्षकों के बीच उद्यमशीलता मानसिकता कौशल को बढ़ाने में भूमिका निर्वाह और स्थानीय व्यापारियों के साथ सीधे जुड़ाव जैसी अंतर्क्रियात्मक गतिविधियाँ अधिक प्रभावी थीं।

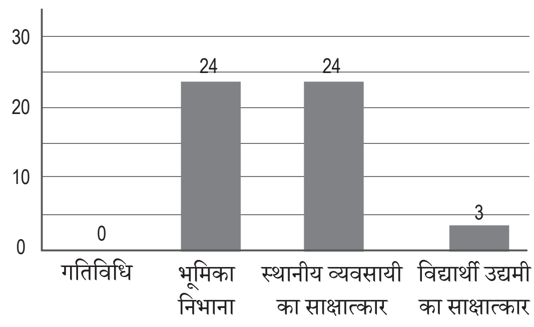

आरेख 2

उद्यमशीलता कौशल विकसित करने में आपको कौन सी गतिविधि सबसे अधिक लाभदायक लगी? क्यों?

आरेख 3 दर्शाता है कि 46 प्रशिक्षु-शिक्षकों द्वारा स्थानीय व्यवसायी साक्षात्कार उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के लिए सबसे अधिक लाभदायक गतिविधि बताई गई। जिसका उल्लेख लगभग 54.35 प्रतिशत (25 बार) किया गया। प्रशिक्षु-शिक्षकों ने उद्यमियों के साथ सीधी बातचीत को बहुत लाभकारी बताया। इसमें व्यवसायों को शुरू करने, प्रबंधित करने और चुनौतियों पर काबू पाने में प्राप्त व्यावहारिक अंतर्दृष्टि पर बल दिया गया था। उन्होंने स्थानीय व्यावसायियों द्वारा साझा किए गए वास्तविक जीवन के अनुभवों, रणनीतियों और व्यक्तिगत उपाख्यानों से सीखने की सराहना की थी, जो उद्यमशीलता यात्रा को समझने के लिए महत्वपूर्ण थे। दूसरी ओर, लगभग 39.13 प्रतिशत (18 बार) प्रशिक्षु-शिक्षकों ने भूमिका निर्वाह को भी मूल्यवान माना। इसे उद्यमशीलता परिदृश्यों का अनुकरण करने, निर्णय लेने की क्षमताओं को बढ़ावा देने तथा संप्रेषण और टीम वर्क कौशल में सुधार करने में महत्वपूर्ण माना गया।

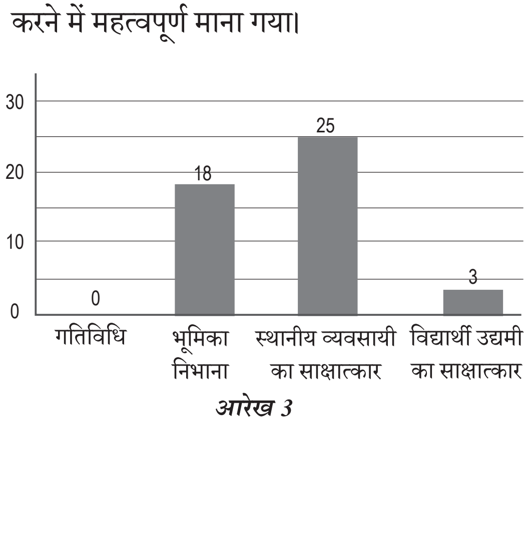

आरेख 3

प्रशिक्षु-शिक्षकों ने भूमिका निर्वाह के माध्यम से प्रसिद्ध उद्यमियों की मानसिकता और रणनीतियों को समझने, समस्याओं का समाधान करने और व्यापार रणनीति के कार्यान्वयन में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के अवसर की सराहना की। वहीं, लगभग 6.52 प्रतिशत (3 बार) प्रशिक्षु-शिक्षकों ने विद्यार्थी उद्यमियों के साथ साक्षात्कार को भी उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के लिए फायदेमंद माना। इन गतिविधियों ने वास्तविक दुनिया का परिप्रेक्ष्य प्रदान किया था। इन अंतर्क्रिया ने भविष्य के शिक्षकों को विद्यार्थियों में रचनात्मकता एवं नवीनता और उनके विभिन्न दृष्टिकोणों का पता लगाने तथा विभिन्न उद्योगों के भीतर उभरते रुझानों या अवसरों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सक्षम बनाया।

उद्यमशीलता दक्षताओं पर प्रभाव

आप किस हद तक मानते हैं कि केस स्टडी की भूमिका ने आपके आलोचनात्मक सोच कौशल में योगदान दिया है?

आरेख 4 दर्शाता है कि 51 प्रतिक्रियाओं में से, अधिकांश प्रतिभागियों, 40 उत्तरदाताओं ने संकेत दिया कि गतिविधि ने उनके महत्वपूर्ण सोच कौशल में 'बहुत अधिक' योगदान दिया था। इसके बाद 9 उत्तरदाताओं ने महसूस किया कि योगदान 'मध्यम' था। इसके अतिरिक्त, 2 उत्तरदाताओं ने गतिविधि की प्रभावशीलता पर और अधिक बल देते हुए प्रभाव को 'चरम' का दर्ज़ा दिया। किसी भी उत्तरदाता ने योगदान को न्यूनतम या महत्वहीन नहीं बताया। अतः स्पष्ट होता है कि केस स्टडीज पर भूमिका निभाने वाली गतिविधि प्रतिभागियों के

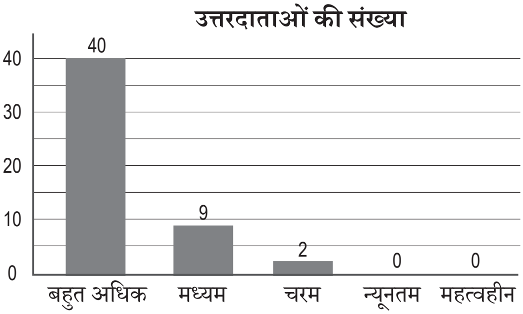

आरेख 4

बीच महत्वपूर्ण सोच कौशल को बढ़ाने में अत्यधिक प्रभावी रही, जिससे यह उद्यमशीलता मानसिकता पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक बन गया।

गतिविधि 1 ने रणनीतिक व्यावसायिक निर्णय लेने की आपकी क्षमता को कैसे प्रभावित किया है?

गतिविधि 1 (किस्से जो बन गए सबक) के प्रभाव के संबंध में प्रतिभागियों की रणनीतिक व्यावसायिक निर्णय लेने की क्षमता पर आरेख 5 दर्शाता है कि 51 प्रतिक्रियाओं में से, 33 प्रतिभागियों ने बताया कि रणनीतिक व्यावसायिक निर्णय लेने की उनकी क्षमता में 'सुधार' हुआ था, जबकि 11 उत्तरदाताओं ने 'तटस्थ' प्रभाव का संकेत दिया। इसके अतिरिक्त, 6 प्रतिभागियों ने रणनीतिक निर्णय लेने की 'महत्वपूर्ण रूप से बेहतर' क्षमता का अनुभव किया, जो गतिविधि से प्राप्त पर्याप्त लाभ को उजागर करता है। केवल एक उत्तरदाता ने बताया कि उनकी क्षमता 'घट गई थी।' कुल मिलाकर, इन परिणामों से ज्ञात होता है कि गतिविधि 1 ने अधिकांश प्रतिभागियों के रणनीतिक निर्णय लेने के कौशल को प्रभावी ढंग से बढ़ाया था, जिससे यह उद्यमिता शिक्षा कार्यक्रम में एक सार्थक अभ्यास बन गया था।

गतिविधि 2 ने कारोबारी माहौल का विश्लेषण करने की आपकी क्षमता को कैसे प्रभावित किया है?

आरेख 6 कारोबारी माहौल को दर्शाता है कि 51 प्रतिक्रियाओं में से 39 प्रतिभागियों ने संकेत दिया कि उनकी क्षमता में 'सुधार' हुआ था। अतिरिक्त 3 उत्तरदाताओं ने 'महत्वपूर्ण रूप से बेहतर' क्षमता का अनुभव किया था, जो गतिविधि की प्रभावशीलता को रेखांकित करता था। इसके विपरीत 8 उत्तरदाताओं ने 'तटस्थ' प्रभाव की सूचना दी थी और केवल एक उत्तरदाता ने महसूस किया था कि

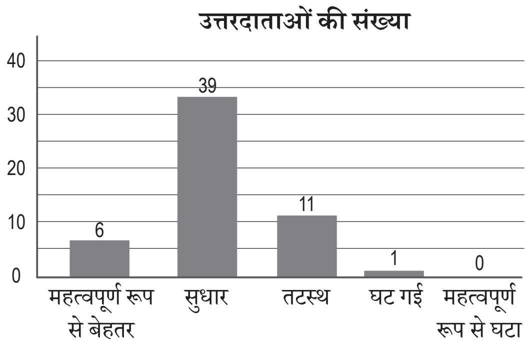

आरेख 5

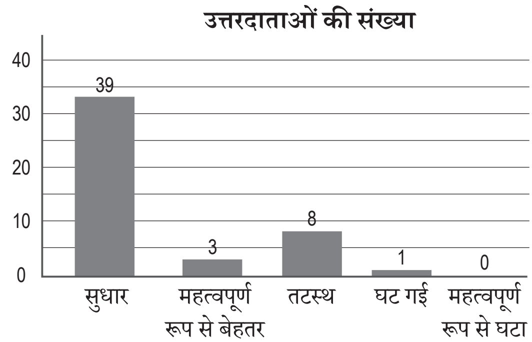

आरेख 6

उनकी क्षमता 'घट गई थी।' इन परिणामों से स्पष्ट होता है कि गतिविधि 2 (मेरी कहानी मेरी ज़ुबानी) ने आमतौर पर व्यावसायिक वातावरण के विश्लेषण में प्रतिभागियों के कौशल को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की थी, जिससे यह उद्यमिता शिक्षा कार्यक्रम का एक प्रभावी घटक बन गया था।

गतिविधि 3 ने आपकी रचनात्मकता या नवोन्मेषी कौशल को कैसे प्रभावित किया है?

गतिविधि 3 (नन्हे उद्यमी के बड़े सपने) के प्रभाव के संबंध में प्रतिभागियों की रचनात्मकता और नवीन कौशल पर 51 प्रतिक्रियाओं में से, 33 प्रतिभागियों ने बताया कि उनकी रचनात्मकता और नवीन कौशल में 'सुधार' हुआ था, जबकि 11 प्रतिभागियों ने 'महत्वपूर्ण रूप से बेहतर' प्रभाव का अनुभव किया। 7 उत्तरदाताओं ने अनुभव किया कि गतिविधि का उनके कौशल पर 'तटस्थ' प्रभाव पड़ा था और किसी भी उत्तरदाता ने गिरावट की सूचना नहीं दी। ये परिणाम दर्शाते हैं कि गतिविधि 3 प्रतिभागियों के बीच रचनात्मकता और नवीन कौशल को बढ़ाने में उनकी उद्यमशीलता क्षमताओं में सकारात्मक योगदान देने में प्रभावी रही।

क्या भूमिका निभाने वाले घटक ने व्यावहारिक उद्यमशीलता परिदृश्यों के बारे में आपकी समझ को बढ़ाया?

व्यावहारिक उद्यमशीलता परिदृश्यों को समझने पर भूमिका निभाने वाले घटक के प्रभाव के संबंध में आरेख 8 दर्शाता है कि 51 प्रतिक्रियाओं में से, 45 प्रतिभागियों (88.2 प्रतिशत) ने 'हाँ' में उत्तर दिया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि भूमिका निभाने वाले घटक ने व्यावहारिक उद्यमशीलता परिदृश्यों की उनकी समझ को बढ़ाया था। केवल एक प्रतिभागी ने 'नहीं' में उत्तर दिया और पाँच उत्तरदाताओं ने 'पक्का नहीं' कहा। इन निष्कर्षों से यह ज्ञात होता है कि रोल प्ले (भूमिका निर्वाह) गतिविधि उद्यमशीलता परिदृश्यों में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करने में अत्यधिक प्रभावी रही थी, जिससे यह उद्यमिता शिक्षा कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है।

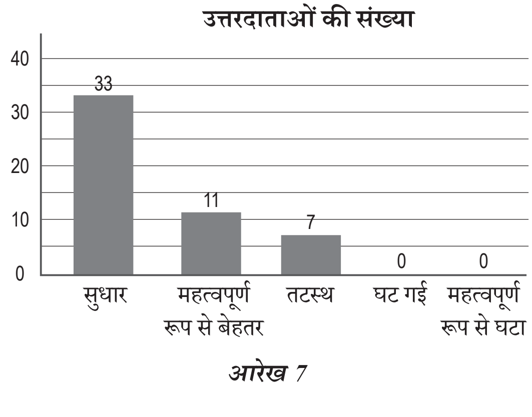

आरेख 7

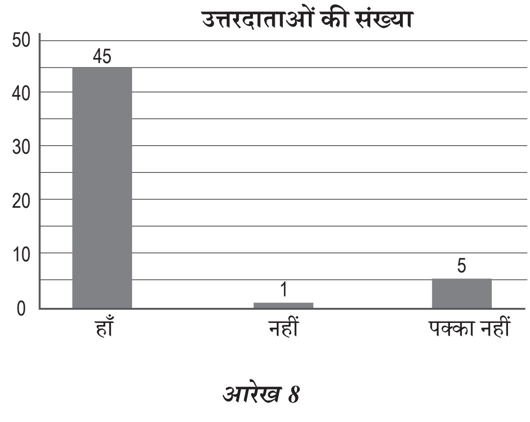

आरेख 8

उद्यमिता में अनुभव और वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि प्रदान करने में स्थानीय व्यवसायी साक्षात्कार की प्रभावशीलता को 1 से 5 के पैमाने पर रेटिंग दें।

उद्यमिता में व्यावहारिक अनुभव और वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि प्रदान करने में स्थानीय व्यवसायी साक्षात्कार की प्रभावशीलता के संबंध में आरेख 9 दर्शाता है कि 51 प्रतिक्रियाओं में से, सबसे अधिक बार दी गई रेटिंग '4' थी, जो 29 बार दी गई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उक्त कथित प्रभावशीलता के उच्च स्तर को दर्शाती है। 12 बार '5' रेटिंग दी गई, जो उत्तरदाताओं के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए बहुत उच्च प्रभावशीलता का संकेत करती है। '3' रेटिंग 9 बार थी, जो कुछ प्रतिभागियों के लिए मध्यम प्रभावशीलता को दर्शाती है। केवल एक उत्तरदाता ने गतिविधि को '2' रेटिंग दी और '1' की कोई रेटिंग नहीं दी। कुल मिलाकर औसत रेटिंग लगभग 4.01 थी, जो दर्शाती है कि स्थानीय व्यवसायी साक्षात्कार को अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था तथा व्यावहारिक उद्यमशीलता अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए इसे महत्वपूर्ण माना गया था।

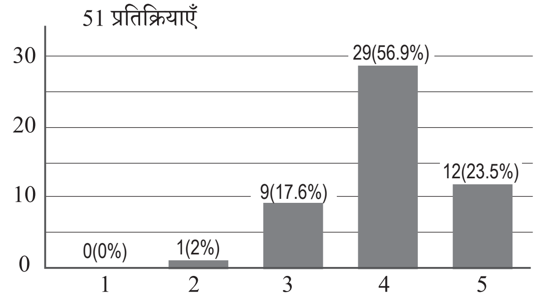

आरेख 9

उद्यमिता में वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि प्रदान करने में विद्यार्थी साक्षात्कार की प्रभावशीलता को 1 से 5 के पैमाने पर रेटिंग दें।

उद्यमिता में वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि प्रदान करने में विद्यार्थी साक्षात्कार की प्रभावशीलता के संबंध में आरेख 10 दर्शाता है कि 51 प्रतिक्रियाओं में से, रेटिंग '3' 18 बार दी गई, जो प्रतिभागियों की एक महत्वपूर्ण संख्या के लिए मध्यम प्रभावशीलता को दर्शाती है। रेटिंग '4' 20 बार दी गई, जो कथित प्रभावशीलता के उच्च स्तर को दर्शाती है। रेटिंग '5' 12 बार दी गई, जो उत्तरदाताओं के एक उल्लेखनीय हिस्से के लिए बहुत उच्च प्रभावशीलता का संकेत करती है। केवल एक उत्तरदाता ने गतिविधि को '2' रेटिंग दी और '1' रेटिंग किसी ने नहीं दी। कुल मिलाकर, औसत रेटिंग लगभग 3.7 थी, जो दर्शाती है कि विद्यार्थी साक्षात्कार वास्तविक दुनिया की उद्यमशीलता अंतर्दृष्टि प्रदान करने में प्रभावी था, हालाँकि अन्य गतिविधियों की तुलना में यह कम प्रभावी था।

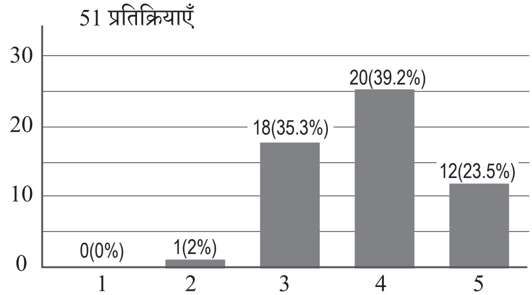

आरेख 10

इन गतिविधियों तथा आपके उद्यमशीलता सीखने पर इसके प्रभाव के संबंध में कोई अतिरिक्त टिप्पणी या सुझाव साझा करें।

उद्यमशीलता गतिविधियों के संबंध में प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया ने उद्यमशीलता सीखने और व्यावहारिक कौशल को बढ़ाने पर कई सकारात्मक प्रभावों को प्रस्तुत किया। कई प्रतिभागियों ने भूमिका निभाने वाली गतिविधियों को अत्यधिक प्रभावशाली बताया, विशेष रूप से उद्यमशीलता निर्णय लेने और उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करने में। इसके साथ ही व्यावहारिक सीखने का अनुभव प्रदान करने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए साक्षात्कारों की सराहना की गई। कई उत्तरदाताओं ने कहा कि 'भूमिका निभाना' ने व्यवसाय शुरू करने के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। प्रतिभागियों ने अध्ययन की गई उद्यमशीलता गतिविधियों से प्राप्त व्यक्तिगत प्रेरणा को आधार बनाते हुए गतिविधियों के प्रेरक पहलुओं को भी महत्व दिया। उद्यमिता में ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास को बेहतर बनाने में उनकी प्रभावशीलता के लिए गतिविधियों की प्रशंसा की गई और कई लोगों ने साक्षात्कार, प्रस्तुति एवं विभिन्न व्यावसायिक परिदृश्यों को समझने के संदर्भ में व्यावहारिक लाभों पर ध्यान दिया। इस प्रकार, फीडबैक वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि तथा व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने की गतिविधियों की क्षमता के प्रति एक मजबूत सकारात्मक प्रतिक्रिया को दर्शाता है।

प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाएँ

'उद्यमियों के मामले के अध्ययन से यह पता चला कि हम कैसे रचनात्मक और साहसिक निर्णय ले सकते हैं।'

'यह वास्तव में प्रभावशाली था एवं इस केस स्टडी असाइनमेंट के माध्यम से सीखने में मदद मिली, मुझे पता है कि हम सभी कुछ करने में सक्षम हैं, लेकिन आत्मविश्वास की कमी के कारण हम ऐसा नहीं कर सकते।'

'यह बहुत दिलचस्प था, क्योंकि इसे इस तरह से डिज़ाइन किया गया था कि हम अपना खुद का व्यवसाय बहुत व्यवस्थित तरीके से शुरू कर सकें, जिसमें हर पहलू इसमें योगदान देगा।'

'यह बहुत प्रभावी तथा जानकारीपूर्ण था, मुझे उद्यमियों की यात्रा और उनके संघर्षों के बारे में पता चला। उनकी कहानियों से मैं अस्वीकृतियों का सामना करने व अपना रास्ता खोजने के लिए प्रेरित हुआ।'

'ये गतिविधियाँ उद्यमशीलता सीखने का व्यावहारिक ज्ञान और अंतर्दृष्टि प्रदान करती हैं।'

'यह मेरी टीम के लिए एक अद्भुत अनुभव था तथा हमने वे चीज़ें सीखीं जो साक्षात्कार लेने, प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे हम सीखें।'

'यह केस स्टडी असाइनमेंट मुझे उद्यमियों के संबंध में अपने ज्ञान को बेहतर बनाने में मदद करता है तथा मैं एक पेशे के रूप में एक अलग क्षेत्र को समझने में भी सक्षम हूँ।'

'इसने उद्यमियों के बारे में हमारे सोचने का तरीका बदल दिया।'

'यह एक रचनात्मक अवधारणा है। मैंने इससे बहुत कुछ सीखा। मुझे व्यवसाय की स्थिति के बारे में पता चला।'

'यह एक ऐसा कार्य था, जो पूरी प्रक्रिया के दौरान हमारे विचारों और उद्यमशीलता कौशल पर प्रभाव डालता है।'

'साक्षात्कार लेना एक अच्छा व्यावहारिक कार्य था एवं यह व्यापार जगत में प्रवेश करने पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इस प्रकार कुल मिलाकर यह हमारी समझ को बढ़ाता है और कार्य में हमने जो कुछ भी किया उसके बारे में स्पष्टता मिलती है।'

शोध के शैक्षिक निहितार्थ

- **उद्यमिता शिक्षा में प्रायोगिक दृष्टिकोण**— यह शोध उद्यमिता शिक्षा में प्रायोगिक और अनुभवात्मक गतिविधियों का समावेश, जैसे— रोल प्ले एवं साक्षात्कार, विद्यार्थियों की उद्यमिता कौशल एवं ज्ञान को बढ़ाने में महत्वपूर्ण है। शिक्षकों को चाहिए कि वे इस दृष्टिकोण को अपने पाठ्यक्रम में सम्मिलित करें।
- **स्थानीय व्यावसायियों के साथ सहयोग**— स्थानीय व्यावसायियों के साथ साक्षात्कार ने विद्यार्थियों को वास्तविक दुनिया की अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि क्षेत्रीय नेटवर्क और सहयोग का महत्व उद्यमिता शिक्षा कार्यक्रमों की सफलता में निहित है। संस्थानों को स्थानीय समुदाय के साथ संबंधों को मजबूत करना चाहिए।
- **क्रियात्मक शिक्षण विधियों का उपयोग**— शोध में पाए गए परिणाम यह दर्शाते हैं कि पारंपरिक शैक्षणिक विधियों की तुलना में क्रियात्मक शिक्षण विधियाँ अधिक प्रभावी हैं। शिक्षकों को इन विधियों का उपयोग करना चाहिए, ताकि वे विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर सकें।
- **उद्यमिता कौशल का विकास**— यह आवश्यक है कि शैक्षणिक संस्थान उद्यमिता कौशल को विकसित करने पर ध्यान दें। इससे विद्यार्थियों को न केवल व्यावसायिक निर्णय लेने में मदद मिलेगी, बल्कि वे भविष्य के लिए अधिक सक्षम भी बनेंगे।
- **शिक्षा में विविधता**— विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा में विविधता लाने से विद्यार्थियों की रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा मिलता है। शिक्षकों को चाहिए कि वे पाठ्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक दृष्टिकोणों का समावेश करें।

निष्कर्ष

प्रत्येक एपिसोड या गतिविधि (केस स्टडीज पर आधारित भूमिका निभाना, स्थानीय व्यावसायियों के साथ साक्षात्कार और विद्यालयी विद्यार्थी उद्यमियों के साथ साक्षात्कार) ने शोध अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों के बीच उद्यमिता की समग्र समझ को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्थानीय व्यवसायी साक्षात्कार अपने व्यावहारिक एवं अनुभवात्मक सीखने के अवसरों के लिए थोड़ा अधिक पसंदीदा प्रतीत हुआ। सभी गतिविधियों को एकीकृत करने से उद्यमशीलता कौशल विकसित करने, सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव और

पारस्परिक कौशल विकास के साथ जोड़ने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

इस शोध अध्ययन के निष्कर्ष स्वीडन के रासमुसेन और सोर्हेम (2006) के लेख 'क्रिया-आधारित उद्यमिता शिक्षा' के अधिकतम निष्कर्षों से मिलते हैं। रासमुसेन और सोर्हेम (2006) के अनुसार, क्रिया-आधारित दृष्टिकोण पारंपरिक कक्षा-आधारित शिक्षण की तुलना में अधिक प्रभावी है, क्योंकि यह विद्यार्थियों को प्रायोगिक और समूह-उन्मुख गतिविधियों के माध्यम से वास्तविक जीवन के अनुभव प्रदान करता है। उनके शोध अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ कि क्षेत्रीय नेटवर्क तथा सहयोग उद्यमिता शिक्षा कार्यक्रमों की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। विश्वविद्यालयों के लिए स्थानीय नेतृत्वकर्ताओं का समर्थन आवश्यक है। इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि शोध-पत्र में वर्णित तीनों गतिविधियाँ कक्षा में सीखने और वास्तविक दुनिया के अनुभवों के बीच विभेद को समाप्त कर शिक्षा को बदलने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की प्रतिबद्धता का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं, जिससे भविष्य के शिक्षकों और विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने में सहायता प्राप्त होगी।

संदर्भ

इस्माइल, ए.बी. और अन्य 2018. *इंटरप्रेन्योरशिप एजुकेशन पेडागॉजी — टीचर-स्टूडेंट-सेंटर्ड पेराडोक्स*. 60(2), पृष्ठ संख्या 168–184. https://www.researchgate.net/publication/322684813_Entrepreneurship_education_pedagogy_Teacher-student-centred_paradox से 12 अक्तूबर 2024 को प्राप्त किया गया।

एकोर, ई.ई. और के. विलफ्रेड बोन्स. 2013. द नीड टू एंटीग्रेट इंटरप्रेन्योरशिप एजुकेशन इंटू साइंस एजुकेशन टीचर्स' करिकुलम इन नाइजीरिया. *जर्नल ऑफ़ साइंस एंड वोकेशनल एजुकेशन (जे.एस.वी.ई.)*. पृष्ठ संख्या 7. https://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm?abstract_id=2458179 12 मई 2024 को प्राप्त किया गया।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय. 2013. *नेशनल स्किल क्वॉलिफ़िकेशन फ्रेमवर्क — पॉलिसी डॉक्यूमेंट*. भारत सरकार. chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://www.nqr.gov.in/downloads/pdfs/NSQF_Gazette_Notification.pdf. से 10 मई 2024 को प्राप्त किया गया।

गौतम, एम.के. और डी.एस.के. सिंह. 2015. *इंटरप्रेन्योरशिप एजुकेशन — कोंसेप्ट, केरेक्टरिस्टिक्स एंड इंप्लीकेशन्स फ़ॉर टीचर एजुकेशन*. https://www.researchgate.net/publication/319057540_Entrepreneurship_Education_Concept_Characteristics_and_Implications_for_Teacher_Education on. 17 अप्रैल 2024 को प्राप्त किया गया।

फेजेस, ए. और अन्य. 2019. हाउ डू टीचर्स इंटरप्रेट एंड ट्रान्सफ़ोर्म इंटरप्रेन्योरशिप एजुकेशन. *जर्नल ऑफ़ करिकुलम स्टडीज*. 51(4), पृष्ठ संख्या 554–566. https://www.tandfonline.com/doi/full/10.1080/00220272.2018.1488998 12 मई 2024 को प्राप्त किया गया।

रासमुसेन, ई. और आर. सोर्हेम. 2006. एक्शन-बेस्ड इंटरप्रेन्योरशिप एजुकेशन. *जर्नल ऑफ़ इंटरप्रेन्योरशिप एजुकेशन*. 9(2), पृष्ठ संख्या 123–140. 18 मई 2024 को https://www.researchgate.net/publication/222406579_Action-Based_Entrepreneurship_Education 18 मई 2024 को प्राप्त किया गया।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद. 2023. *नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फ़ॉर स्कूल एजुकेशन 2023.* गाइडलाइंस. रा.शै.अ.प्र.प. chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://ncert.nic.in/pdf/NCFSE-2023-August_2023.pdf 10 मार्च 2025 को प्राप्त किया गया।

शिक्षा मंत्रालय. 2021. *गाइडलाइंस ऑफ़ 10 बेगलेस डेज़ — डाइरेक्शन्स फॉर स्टूडेंट्स*. भारत सरकार. chrome-extension://efaidnbmnnnibpcajpcglclefindmkaj/https://dsel.education.gov.in/sites/default/files/update/PIB2042313.pdf 10 मई 2024 को प्राप्त किया गया।

https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf

सेइक्कुला-लेइनो, जे. और अन्य. 2010. प्रोमोटिंग एटरप्रेन्योरशिप एजुकेशन — द रोल ऑफ़ द टीचर? 52(2). पृष्ठ संख्या 117–127. https://www.researchgate.net/publication/235282982_Promoting_entrepreneurship_education_The_role_of_the_teacher 9 मई 2024 को प्राप्त किया गया।